This Booklet contains **20** printed pages.
इस पुस्तिका में **20** मुद्रित पृष्ठ हैं।

AK14I

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

2

PAPER—I / प्रश्न-पत्र—I

BENGALI LANGUAGE SUPPLEMENT / बांग्ला भाषा परिशिष्ट

PART—IV & V / भाग—IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

K

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Pages 19 & 20) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
For Instructions in Bengali see Page 2 of this Booklet.
बांग्ला में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।

Instructions for Candidates :

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts—I, II, III from the Main Test Booklet and Parts—IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **K**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **Two** Parts—IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

Part-IV : Language-I (Bengali)	(Q. Nos. 91–120)
Part-V : Language-II (Bengali)	(Q. Nos. 121–150)

7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali Language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that Language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) का उत्तर **बांग्ला** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग—I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग—IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल **नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत K** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग—IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

भाग–IV : भाषा–I (बांग्ला)	(प्रश्न सं० 91–120)
भाग–V : भाषा–II (बांग्ला)	(प्रश्न सं० 121–150)

7. भाग–IV में भाषा–I के लिए 30 प्रश्न और भाग- V में भाषा–II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बांग्ला भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा–I और/या भाषा–II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बांग्ला के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग–V (भाषा–II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा–I (भाग–IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में)

Roll Number (in figures) : ____________________
अनुक्रमांक (अंकों में)

(in words) : ____________________
(शब्दों में)

Centre of Examination (in Capitals) : ____________________
परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में)

Candidate's Signature : ____________________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Invigilator's Signature : ____________________
निरीक्षक के हस्ताक्षर

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

04-I

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

AK14I

পরীক্ষা-পুস্তিকা কোড

K

প্রশ্ন-পত্র—I

বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট

ভাগ—IV & V

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা-পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা-পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 19 & 20) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

1. যে সব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ—IV (ভাষা—I) (Part—IV, Language—I) অথবা ভাগ—V (ভাষা—II) (Part—V, Language—II)-এর কিন্তু **দুটিরই নয়**—উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ—I, II, III-এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর-পত্রে উত্তর চিহ্নিতকরণের জন্য **কেবলমাত্র নীল/কালো বলপয়েন্ট পেনই** ব্যবহার করতে হবে।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **K**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর-পত্রের **দ্বিতীয় পৃষ্ঠায়** মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা-নিরীক্ষক (Invigilator)-এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাঁকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা-পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
6. এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটি—IV এবং V এই **দুই** ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে **60** টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective-type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :

   ভাগ—IV : ভাষা—I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 91–120)

   ভাগ—V : ভাষা—II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 121–150)
7. ভাগ—IV-এ ভাষা—I-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন এবং ভাগ—V-এ ভাষা—II-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন। এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটিতে প্রশ্নগুলি কেবলমাত্র বাংলা ভাষার জন্যই দেওয়া হয়েছে। **যদি ভাষা—I এবং/অথবা ভাষা—II-এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয়, তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা-পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন-পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।**
8. **পরীক্ষার্থীদের ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে যা তার ভাষা—I (ভাগ—IV)-এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা অর্থাৎ ভাষা—I (ভাগ—IV) এবং ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।**
9. পরীক্ষা-পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (Rough Work)-এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই Rough Work করতে হবে।
10. সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিতকরণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে। উত্তর বদলের জন্য সাদা রঙের ব্যবহার নিষিদ্ধ।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : ____________________

(অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ____________________ পরীক্ষা-নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ____________________

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা—**I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা-ই শুধু এই অংশের উত্তর দেবেন।

খণ্ড—IV : ভাষা—I

বাংলা

নির্দেশ : নীচের কবিতাটি পড়ুন এবং সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **91** থেকে **96**) উত্তর দিন :

সংঘাত

শঙ্খ ঘোষ

আমার ছিল পদ্মায় ভোর, বৈঁচিবনের বিকেল
তুমি কি আর সেসব কিছু পাও ?
সোনারুপোর বদলে আজ দিচ্ছি কেবল নিকেল
ঘরের থেকে বেরোও না এক পা-ও !
আমার ছিল ভোরের আলোয় কীর্তনিয়ার গান
আমার ছিল ডালিমগাছে মৌ—
একটু বেলা হলেই যখন মন করে আনচান
দুধ দিয়ে যায় গয়লাবাড়ির বৌ।
আমার ছিল ঘোর দুপুরে ঝপাং-করা সাঁতার
প্রহর পরে প্রহর কাটে জলে—
আমার ছিল উধাও পথ দিগদিগন্ত হাঁটার
হারিয়ে যাওয়া ছলে বা কৌশলে।
আমার ছিল বর্ষা-অঝোর বৃষ্টিপড়ার দিনে
মাঠের মধ্যে ভিজে যাওয়ার সুখ
আমার ছিল নৌকো থেকে জোড়া ইলিশ কিনে
মায়ের মুখে জাগানো কৌতুক।
আমার ছিল একলা বসে দুঃখ পাবার মতো
অঢেল সময়, ছড়ানো দিনরাত—
তোমার দিন যে রুটিন দিয়ে বাঁধছি অবিরত
তোমার আমার সেইখানে সংঘাত।

91. এই কবিতায় 'সংঘাত' কার কার মধ্যে ?

(1) দুই প্রজন্মের শৈশবের মধ্যে

(2) দুই ব্যক্তির পছন্দ-অপছন্দের মধ্যে

(3) কবি ও অন্য একজনের মধ্যে

(4) গ্রাম ও শহরের মধ্যে

92. কবিতার নাম 'সংঘাত' এবং কবিতাটিতে প্রধান হয়ে উঠেছে

(1) আপোষ-রফার সুর

(2) বিষাদের সুর

(3) প্রতিহিংসার সুর

(4) আত্মসন্তুষ্টির সুর

93. যখন যা খুশি করার সুযোগের মধ্যে কবি কী খুঁজে পান ?

(1) দেহ মন ও আত্মার পূর্ণাঙ্গ বিকাশের পথ

(2) নিজেকে অধিক লাভবান প্রমাণ করার পথ

(3) যাবতীয় না-পাওয়ার বেদনাকে ভুলে থাকার পথ

(4) বাঁধাধরা জীবন-যাপনের বিরুদ্ধে প্রতিবাদের পথ

94. কবির সবচেয়ে বড়ো দুঃখ

(1) গয়লাবাড়ির বউ বাড়িতে এসে দুধ দিয়ে যায় না বলে

(2) সোনা-রুপো দুর্লভ হয়েছে বলে

(3) একলা বসে দুঃখ পাবার পর্যন্ত সময় নেই বলে

(4) টাটকা জোড়া ইলিশ পাওয়া যায় না বলে

95. ''আমার ছিল পদ্মায় ভোর, বৈঁচিবনের বিকেল।'' এখানে আমরা পাচ্ছি

(1) দুটি প্রতীক (symbol)

(2) একটি প্রতীক এবং একটি প্রতিমা

(3) একটি কাব্য-প্রতিমা বা poetic image

(4) দুটি রূপক (allegory)

96. কবিতাটি কোন্ ছন্দে লেখা ?

(1) স্বরবৃত্ত বা দলবৃত্ত

(2) আধুনিক গদ্যছন্দ

(3) মাত্রাবৃত্ত বা কলাবৃত্ত

(4) অক্ষরবৃত্ত বা মিশ্রকলাবৃত্ত

নির্দেশ : সর্বাপেক্ষা উপযুক্ত উত্তরটি নির্বাচন করুন (প্রশ্ন সংখ্যা **97** থেকে **111**) :

97. অনুশীলনের জন্য একটি অপেক্ষাকৃত ছোটো অনুচ্ছেদে কিছু শূন্যস্থান রেখে শিক্ষার্থীকে তার পাঠের ভিত্তিতে সেই শূন্যস্থানগুলি পূর্ণ করতে বলা হল। এতে তার কোন্ সামর্থ্যের মূল্যায়ন হবে ?

(1) নতুন শব্দ ব্যবহার

(2) ভাবসংক্ষেপণ

(3) বানান

(4) অনুধাবন বা বোধ

98. এগুলির মধ্যে কোনটি 'বোধ-পরীক্ষণ'-মূলক প্রশ্ন ?

(1) নোবেল পুরস্কার জয়ী ভারতীয় কবির নাম কী, জানাও

(2) কিরণ দেশাইয়ের লেখা আর কোনো বই পড়েছ কি ?

(3) 'অধিগ্রহণ' শব্দটি ব্যবহার করে একটি নিজস্ব বাক্য রচনা করো

(4) 'আহ্বান' শব্দের কোন্ উচ্চারণটি ঠিক, বলো

99. ঠিকমতো লিখতে পারার ক্ষমতা অর্জনের জন্য প্রথমেই একটি শিশুকে রংপেন্সিল বা ক্রেয়ন দিয়ে আঁকিবুকি কাটিয়ে, বৃত্ত ইত্যাদি প্রাথমিক আকার আঁকিয়ে তার যে দক্ষতাটির সুচারু বিকাশ ঘটানো আবশ্যিক, তা হচ্ছে

(1) প্রাক্ষোভিক (emotional) দক্ষতা

(2) উদ্বর্তনমূলক (survival) দক্ষতা

(3) জ্ঞানাত্মক বা জানার (cognitive) দক্ষতা

(4) পেশী সঞ্চালন (motor) দক্ষতা

100. বন্ধুত্বমূলক কোনো চিঠি লেখার সময় একজন শিক্ষার্থীকে যে বিষয়গুলি অবশ্যই মনে রাখতে হবে, সেগুলি হল

(1) বক্তব্যের সার্বজনীন বোধগম্যতা, সংক্ষেপিত শব্দ ব্যবহার, স্পষ্ট সংগঠন

(2) ব্যক্তিগত হওয়া এবং পত্র রচনার কোনোরকম সাংগঠনিক দায়দায়িত্ব না নেওয়া

(3) পত্র রচনার কয়েকটি সাংগঠনিক দিক, ব্যক্তিগত আন্তরিকতার প্রকাশ, সংক্ষেপিত শব্দের ব্যবহার

(4) নৈর্ব্যক্তিক (impersonal) হওয়া এবং পত্র রচনার ত্রুটিহীন সংগঠন

101. একটি ভাষা শেখার সময়, সেই ভাষার সম্পূর্ণ নিজস্ব কিছু উচ্চারণ-বৈশিষ্ট্য থাকার জন্য শিক্ষার্থীরা সেই ভাষায় কথা বলার সময় আত্মবিশ্বাসের অভাব বোধ করে। এই সমস্যা দূর করার একটা উপায় হল

(1) ক্লাসে ক্রীড়ামূলক কার্যকলাপের আয়োজন করা—যেখানে পারস্পরিক কথোপকথনের প্রয়োজন হবে

(2) বিশেষজ্ঞকে দিয়ে বাক্-সমস্যার চিকিৎসা (speech therapy) করানো

(3) ভুল উচ্চারণ করলেই সংশোধন করে দেওয়া

(4) ক্লাসে শিক্ষার্থীদের সরব পাঠ করতে বলা

102. ''ক্লাসে একটা বিষয় পড়ানোর জন্য আজ আমি এই গানটিকে ব্যবহার করব ভেবেছি। প্রথমে গানের কিছু কিছু অংশ বাদ রেখে গানটি পড়তে দেওয়া হবে শিক্ষার্থীদের। দিয়ে দেখা হবে তারা গানটির ওই শূন্যস্থানগুলিতে কী কী শব্দ বসবে, তা আন্দাজ করে বলতে পারে কি না। এরপর তাদের পুরো গানটা শুনিয়ে দেখানো হবে তারা ঠিক ঠিক শব্দ আন্দাজ করতে পেরেছিল কি না।''

এটা হচ্ছে একটা তথ্য —— কৃত্য বা কার্য (activity)

(1) সংশোধন (correction)

(2) ব্যবধান (gap)

(3) বদল (transfer)

(4) আদান-প্রদান (exchange)

103. বয়সের কোন্ নির্দিষ্ট সময়সীমার মধ্যে একটি শিশু অন্যান্যদের চেয়ে বেশি সহজে কোনো ভাষা শিখতে পারে?

(1) 8 বছর বয়সের আগে

(2) 8 বছর বয়সের পরে

(3) 10 বছর বয়সের আগে

(4) 13 বছর বয়সের পরে

104. কোন্ 'মাধ্যম' (media) শনাক্ত করুন : পরিমাণ বৃদ্ধি হলেও খরচ বৃদ্ধি হয় না। শিক্ষার্থীদের স্বার্থে সব সময় আরো বেশি নিগূঢ় তথ্যাবলি সংযোজনার স্বীকৃতি দেয়।

(1) বৈদ্যুতিন (electronic)

(2) প্রত্যক্ষ প্রদর্শন/প্রদর্শনী (live displays/ demonstrations)

(3) প্রতিক্ষেপণ / প্রতিচিত্রণ (projectors / slides)

(4) কাগজপত্র (paper)

105. বহুভাষিক শ্রেণী পরিস্থিতিতে (অর্থাৎ যে ক্লাসে অনেক রকম ভাষাভাষী শিক্ষার্থী আছে) কোনো একটি বিশেষ ভাষা শিক্ষণের ব্যবস্থা হলে ফল কী হবে?

(1) মাঝে মাঝে সমভাষাভাষী শিক্ষার্থীদের দল তৈরি করে আলাদা করে লক্ষ্য-ভাষাটি শেখালে শিক্ষার্থীরা অনেক বেশি শিখতে পারবে

(2) লক্ষ্য-ভাষায় যোগাযোগ স্থাপনের বাস্তব দক্ষতাকে যথাসম্ভব বিবর্ধিত করার উদ্দেশ্যে অন্যান্য ভাষা ব্যবহারকে কার্যত নিরুৎসাহিত করা হবে

(3) শিক্ষার্থীদের মধ্যে পারস্পরিক যোগাযোগের সূত্র দুর্বল থাকায় শ্রেণীকক্ষ পরিস্থিতি নিরুৎসাহব্যঞ্জক হয়ে উঠবে

(4) বিভিন্ন রকমের ঝোঁক (accents), ব্যাকরণিক সংগঠন (grammatical constructions) ইত্যাদির আলোচনার সুযোগ থাকার ফলে লক্ষ্য-ভাষাটি (target language) বুঝতে ও ব্যবহার করতে সুবিধা হবে

106. ভাষা-অন্তরণ (language transfer) দ্বিতীয় ভাষা/বিদেশি ভাষা আয়ত্তীকরণের ক্ষেত্রে বাধার সৃষ্টি করে। এ হেন পরিস্থিতিতে একজন শিক্ষক সাহায্য করতে পারেন

(1) শিক্ষার্থীদের আত্মবিশ্বাস বাড়ানো এবং তাদের নিজেদের মধ্যে অধিক পরিমাণে আলাপ-আলোচনার জন্য আরো বেশি করে দলবদ্ধ কার্যকলাপ (group work) করাতে পারেন

(2) শেখার ক্ষেত্রে শিক্ষার্থীদের অসুবিধাগুলি বুঝে নেওয়ার জন্য কিছু দিন পর পর তাদের পরীক্ষা নেবার ব্যবস্থা করতে পারেন

(3) ক্রমবিবর্ধিত কঠিন পাঠ্যবস্তুকেন্দ্রিক প্রগাঢ়/নিবিড় পাঠ-সম্মিলনের (reading session) আয়োজন করে

(4) দ্বিতীয় ভাষা (L-2) শেখার একটি সুদৃঢ় শিক্ষণ-ভিত্তি নির্মাণের জন্য তাকে তার প্রথম ভাষায় (L-1) সামান্য ভাষিক দক্ষতা (common language skill) বৃদ্ধির সহায়ক কাজকর্ম করতে দিয়ে

107. কোনো ক্লাসে সব শিক্ষার্থী সমান ক্ষমতাসম্পন্ন না হলে পিছিয়ে থাকা শিক্ষার্থীদের জন্য শিক্ষকের কোন্ পদক্ষেপটি নেওয়া জরুরি ?

(1) সেইসব শিক্ষার্থীদের যাতে তাদের ঘরে করতে দেওয়া কাজগুলি সম্পূর্ণ করতে সুবিধা হয় তার জন্য তাঁদের অভিভাবকদের সঙ্গে বিষয়-শিক্ষকদের সাক্ষাৎ করানো

(2) ছোটো ছোটো শ্রেণী পাঠ-প্রকল্প (class projects) তৈরি করে; যেখানে তারা একসঙ্গে মিলিত হয়ে আলাপ-আলোচনা করবে, সামাজিক দক্ষতাগুলির (social skills) বিকাশ ঘটাবে এবং বৃহৎ দলগত কার্যাবলিতে অংশগ্রহণ করবে

(3) স্কুলের পরে আলাদা ক্লাস নিয়ে তাদের উন্নতি ঘটানো, যাতে তারা অন্য শিক্ষার্থীদের সমকক্ষ হতে পারে

(4) তাদের সমস্যাগুলি বোঝার জন্য কিছুদিন পর পর ক্লাস টিচার এবং মনোরোগ বিশেষজ্ঞের সঙ্গে আলোচনায় বসা

108. পাঠ্যপুস্তক-নির্ভর প্রশ্নাবলি নিম্নস্তরীয় এবং তথ্য-নির্ভর হবার সম্ভাবনা থাকে। সেখানে একজন শিক্ষক

(1) পাঠ্যপুস্তকটি খুব কম ব্যবহার করতে পারেন

(2) তদতিরিক্ত আরো সাহিত্যমূলক রচনা পাঠের নির্দেশ দিতে পারেন

(3) শিক্ষার্থীদের সৃজনশীল চিন্তাভাবনামূলক এবং সমস্যা-সমাধানমূলক কার্যাবলি করতে দিতে পারেন

(4) পাঠ্যপুস্তকগত জ্ঞানের উপর ভিত্তি করেই পাঠটিকে অলঙ্কৃত করে নিতে পারেন

109. একজন বিদেশি-ভাষাশিক্ষার্থী লিখিত পাঠ উচ্চারণের সময় বানানঘটিত কারণে অসুবিধা বোধ করে। এই অসুবিধা দূর করার উপায়

(1) বানান দেখে দেখে জোরে জোরে উচ্চারণ করে পড়া

(2) পড়ার সময় শব্দগুলির সঠিক উচ্চারণ শোনা এবং সেগুলি বারংবার সরব উচ্চারণের অনুশীলন করা

(3) শিক্ষকের উচ্চারণ অনুকরণ করা

(4) 'সমস্যাদায়ক' শব্দগুলি নিজে বারবার পড়া

110. বিশেষত ভাষাশিক্ষার ক্লাসে সবিশেষ-সমর্থ (specially abled) শিক্ষার্থীদের একাত্মবোধ, সাফল্য এবং আত্মনির্ভরতাকে কীভাবে বিবর্ধিত করা যায় ?

(1) তাদের অতিবিশিষ্ট প্রয়োজনগুলি মেটানোর উদ্দেশ্যে বিশেষভাবে প্রশিক্ষিত শিক্ষকদেরই নিয়োগ করে

(2) অন্যান্য সহপাঠীদের থেকে বিচ্ছিন্ন করে শুধু তাদের একসঙ্গে থাকার ব্যবস্থা করে

(3) ভিন্ন ধরনের পাঠ্যপুস্তক প্রদানের ব্যবস্থা করে

(4) সমবায়িক (cooperative) শিক্ষাদানের ব্যবস্থা এবং সহকারিতা (collaboration) ও পারস্পরিক আলাপ-আলোচনায়

111. ঐতিহ্যগত ভাষা-শ্রেণী (traditional language class) হচ্ছে শিক্ষককেন্দ্রিক, এবং আধুনিক যুগের শ্রেণী শিক্ষার্থীকেন্দ্রিক। ঐতিহ্যগত ভাষা-ক্লাসের একটি বৈশিষ্ট্য হল

(1) শিক্ষকই বিশেষভাবে ভাষা-শিক্ষণমূলক কার্যাবলি নিয়ন্ত্রণ করবেন এবং শিক্ষার্থীরা তাতে অংশগ্রহণ করবে

(2) কথ্য ও লেখ্য ভাষার বিভিন্ন রকম আদর্শ প্রকাশের সুযোগ পাবে শিক্ষার্থীরা

(3) ভাষাশিক্ষা গ্রহণের দায়িত্ব শিক্ষকের এবং শিক্ষার্থীরা যাতে ক্রমাগত তাদের শিক্ষার অগ্রগতি সম্পর্কে ওয়াকিবহাল থাকতে পারে, তার ব্যবস্থা সুনিশ্চিত করবেন তিনি

(4) শিক্ষার্থীরা শ্রেণীকক্ষের বাইরে স্বাধীনভাবে শিখবে এবং নির্ধারিত সময় লিখিত পরীক্ষা দিতে বসবে

নির্দেশ : নীচের গদ্যাংশটি পড়ুন এবং প্রদত্ত প্রশ্নগুলির সবচেয়ে উপযুক্ত উত্তর নির্বাচন করে (প্রশ্ন সংখ্যা **112** থেকে **120**) উত্তর দিন :

তখন রাশিয়া

সেই সময়ের রাশিয়া ছিল কৃষিপ্রধান দেশ। অর্থাৎ, দেশের বেশিরভাগ মানুষই ছিল চাষী। সেই চাষীদেরও বেশিরভাগই ছিল অত্যন্ত গরিব। থাকার মধ্যে তাদের ছিল জরাজীর্ণ একটা কুঁড়েঘর, অল্প একটু জমি—যে জমির জন্য তাদের চড়া হারে খাজনা দিতে হতো, সাবেক কালের একটা সোখো আর সেই সোখো টানার জন্য হাড়-জিরজিরে একটা ঘোড়া। রাশিয়ার শীত বড়ো ভয়ংকর, সেই শীত কাটাবার উপযোগী গরম কাপড়ও তারা পেত না। তারপর, যখন বসন্ত আসত, শীতের বরফ গলে চারদিক ভরে যেত জলকাদায়। তখন পথ চলার জন্য, চাষ করার জন্য দরকার হতো একটা গামবুট বা 'গালশ'। সেটা কেনার সামর্থ্যও থাকত না সবার।

গরিব চাষীদের থেকেও গরিব ছিল আরো একদল মানুষ। তাদের বলা হতো 'ভূমিদাস'। ভূমিদাসদের কিছুই থাকত না। এরা মূলত ছিল ধনী চাষী আর জমিদারদের কেনা গোলাম। বংশপরম্পরায় এরা দাস হয়েই থাকত।

এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসদের চুষে খেত ধনী চাষীরা, রুশ ভাষায় যাদের বলে 'কুলাক'। এদের থেকেই জমি নিয়ে চাষ করত বেশিরভাগ গরিব চাষী। ফসল না হলে বা কম হলেও খাজনা কমাত না কুলাকরা। প্রয়োজনে লেঠেল-পাইক দিয়ে ভিটেমাটি উচ্ছেদ করে ছাড়ত এরা।

কুলাকদের উপরে ছিল ছোটো জমিদার, তার উপর বড়ো জমিদার, তার উপর আরো বড়ো জমিদার। এদের বলত অভিজাত সম্প্রদায়। এছাড়া ছিল গির্জার ছোটো পাদ্রি বা পুরোহিত থেকে শুরু করে আরো বড়ো—আরো বড়ো—তার চেয়েও বড়ো সব পাদ্রিরা, যাদের এককথায় বলা হতো যাজক সম্প্রদায়। এদের সঙ্গে ছিল গির্জার সঙ্গে সম্পর্কিত নানান কিসিমের ভণ্ড সন্ন্যাসীরা।

অত্যাচার চালানোর জন্য জমিদারদের ছিল নিজস্ব সশস্ত্র বাহিনী। নিজেদের এলাকায় এঁরাই ছিলেন হর্তাকর্তা বিধাতা। পান থেকে চুন খসলেই মুণ্ডু কাটা যাওয়ার ভয়। অবশ্য, এঁদের থেকেও এক কাঠি সরেশ ছিল জমিদারের কর্মচারীরা, যারা ধরে আনতে বললে বেঁধে আনে। পাঁচ পয়সা দামের কোনো জিনিস কিনলে এরা তার থেকে অন্তত তিন পয়সা ঘুষ খায়। এইসব কর্মচারীদের বলা হয় 'আমলা'। সব দেশে, সব যুগেই এরা ছিল। এখনও আছে।

আরো ছিল সৈন্যবাহিনী আর বিচার-ব্যবস্থা। জারকে টিঁকিয়ে রাখার প্রধান দুই স্তম্ভ।

এ ছাড়া সবার উপরে—জার। বিখ্যাত রোমানভ্ বংশ। বিশাল রুশ সাম্রাজ্যের অধীশ্বর।

(গদ্যাংশটি কবি জয়দেব বসুর 'লেনিন' গ্রন্থটি থেকে গৃহীত হয়েছে।)

112. উদ্ধৃত গদ্যাংশটির কেন্দ্রীয় উদ্দেশ্য কী?

(1) তখন রাশিয়ায় সব মানুষই অত্যাচারী ছিল না—তা জানানো

(2) তখন রাশিয়ায় সব মানুষই কষ্টে ছিল না—তা বোঝানো

(3) তখন রাশিয়ার সমাজ আদর্শ সামাজিক অবস্থা থেকে কত দূরে ছিল—তা দেখানো

(4) তখন রাশিয়ার সমাজ কত বিভিন্ন স্তরে বিভক্ত ছিল—তা দেখানো

113. তখন রাশিয়ায় বেশিরভাগ মানুষ কোন্ শ্রেণীর অন্তর্ভুক্ত ছিল?

(1) স্বনির্ভর শ্রেণীর

(2) শোষিত শ্রেণীর

(3) শোষক শ্রেণীর

(4) সুবিধাভোগী শ্রেণীর

114. কোন্ গোষ্ঠীর মানুষদের নিজেদের মধ্যে কোনো বিভাজন ছিল না?

(1) ভূমিদাস

(2) পাদ্রি

(3) চাষী

(4) জমিদার

115. " 'কুলাক'দের উপরে ছিল ছোটো জমিদার, তার উপর বড়ো জমিদার, তার উপর আরো বড়ো জমিদার।" এই পংক্তিটি পড়ার পর স্পষ্ট বোঝা যায় যে

(1) তখন রাশিয়ায় শ্রেণী-বৈষম্যের কোনো কাঠামোই ছিল না

(2) তখন রাশিয়ায় শ্রেণী-বৈষম্যের কাঠামোটা ছিল একই সঙ্গে উল্লম্ব ও আনুভূমিক

(3) তখন রাশিয়ায় শ্রেণী-বৈষম্যের কাঠামোটা ছিল উল্লম্ব (vertical)

(4) তখন রাশিয়ায় শ্রেণী-বৈষম্যের কাঠামোটা ছিল আনুভূমিক (horizontal)

116. জারতন্ত্র বা জার-রাজত্বকে সুরক্ষিত রাখার প্রত্যক্ষ দায়িত্ব বহন করত

(1) যাজক সম্প্রদায়

(2) আমলাবর্গ

(3) লেঠেল-পাইক বাহিনী

(4) সৈন্যবাহিনী

117. পাদ্রি বা সন্ন্যাসীরা কীভাবে জারতন্ত্রকে টিকে থাকতে সাহায্য করতে পারে?

(1) অত্যাচারিত মানুষদের জন্য প্রার্থনা করে

(2) মানুষের বাস্তবতাবোধকে অবাস্তব ধর্মীয় ব্যাখ্যায় আচ্ছন্ন করে

(3) জার-এর মঙ্গলের জন্য ঈশ্বরের কাছে প্রার্থনা করে

(4) জারকে ধর্মনীতিগত সাহস জুগিয়ে

118. যারা 'ধরে আনতে বললে বেঁধে আনে' তারা আসলে

(1) কর্তব্য পালনে কোনো ফাঁক রাখতে চায় না

(2) কাজ এগিয়ে রাখতে চায়

(3) ক্ষমতার অপব্যবহার করে

(4) অধিক কর্তব্যপরায়ণ

119. "এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসদের চুষে খেত ধনী চাষীরা।" এই কথাটিকেই অন্য কোনভাবে বলা যায়?

(1) এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসদের দায়িত্ব ছিল ধনী চাষীদের খাওয়ানোর

(2) এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসদের চূড়ান্ত শোষণ করত ধনী চাষীরা

(3) এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসদের নিজেদের স্বার্থে লাগাতো ধনী চাষীরা

(4) এই গরিব চাষী ও ভূমিদাসরা ছিল ধনী চাষীদের চুষে খাবার জন্য সবচেয়ে উপযুক্ত

120. তখন রাশিয়ায় সবচেয়ে বেশি ভয়ংকর ছিল

(1) ভূমিদাসদের দারিদ্র্য

(2) শীতকাল

(3) চাষীদের দারিদ্র্য

(4) জার

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা—**II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা-ই শুধু এই অংশের উত্তর দেবেন।

খণ্ড—V : ভাষা—II

বাংলা

নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **121** থেকে **126**) উত্তর দিন :

বৈজ্ঞানিক বুদ্ধি

রাজশেখর বসু

গত একশ দেড়শ বৎসরের মধ্যে এক নূতন রকম আপ্তবাক্য সকল দেশের জনসাধারণকে অভিভূত করেছে—বিজ্ঞাপন। অশিক্ষিত লোকে মনে করে যা ছাপার অক্ষরে আছে তা মিথ্যা হতে পারে না। বিজ্ঞাপন এখন একটি চারুকলা হয়ে উঠেছে, সুরচিত হলে নৃত্যপরা অপ্সরার মতন পরম জ্ঞানী লোককেও মুগ্ধ করতে পারে। একই বস্তু-মহিমা প্রত্যহ নানা স্থানে নানা ভাষায় নানা ভঙ্গিতে পড়তে পড়তে লোকের বিশ্বাস উৎপন্ন হয়। চতুর বিজ্ঞাপক স্পষ্ট মিথ্যা বলে না; আইন বাঁচিয়ে নিজের সুনাম রক্ষা করে মনোজ্ঞ ভাষা ও চিত্রের প্রভাবে সাধারণের চিত্ত জয় করে। যে জিনিসের কোনো দরকার নেই অথবা যা অপদার্থ তাও লোকে অপরিহার্য মনে করে। অতি বিচক্ষণ চিকিৎসকও বিজ্ঞাপনের কবল থেকে মুক্ত হতে পারেন না, সাধারণের তো কথাই নেই। বিজ্ঞাপন দেখে লোকের দৃঢ় ধারণা হয়, অমুক স্নো মাখলে রং ফরসা হয়, অমুক তেলে ব্রেন ঠান্ডা হয়, অমুক সুধায় নার্ভ চাঙ্গা হয়, অমুক ফাউন্টেন পেন না হলে চলবে না, অমুক কাপড়ের শার্ট বা শাড়ি না পরলে আধুনিক হওয়া যাবে না। এক বিখ্যাত বিলাতি ব্যবসায়ী ঘোষণা করেছেন—Beware of night starvation, খবরদার, রাত্রে যেন জঠরানলে দগ্ধ হয়ো না, শোবার আগে এক কাপ আমাদের এই বিখ্যাত পথ্য পান করবে। যিনি গাণ্ডেপিণ্ডে নৈশভোজন করেছেন তিনিও ভাবেন, তাই তো, রাত্রে পুষ্টির অভাবে মরা ঠিক হবে না, অতএব এক কাপ খেয়েই শোয়া ভালো। চায়ের বিজ্ঞাপনে প্রচার করা হয়—এমন উপকারী পানীয় আর নেই, সকালে দুপুরে সন্ধ্যায়, কাজের আগে মাঝে ও পরে, শীত করলে, গরম বোধ হলে, সর্বাবস্থায় চা-পান হিতকর।

বিজ্ঞাপন কেমন পরোক্ষভাবে মানুষের বিচারশক্তি নষ্ট করে তার একটি অদ্ভুত দৃষ্টান্ত দিচ্ছি। বহুকাল পূর্বের কথা, তখন আমি পঞ্চম বার্ষিক শ্রেণির ছাত্র। আমার পাশের টেবিলে একজন ষষ্ঠ বার্ষিকের ছাত্র একটা লাল রঙের তরল পদার্থ নিয়ে তার সঙ্গে নানা রাসায়নিক দ্রব্য মিশিয়ে পরীক্ষা করছেন। জিজ্ঞাসা করলাম, ''ও কী হচ্ছে?'' উত্তর দিলেন, ''এই কেশতৈলে মারকিউরি আর লেড আছে কিনা দেখছি।'' প্রশ্ন ''কেশতৈলে ওসব থাকবে কেন?'' উত্তর—''এরা বিজ্ঞাপনে লিখছে, এই কেশতৈল পারদ সীসক প্রভৃতি বিষ হইতে মুক্ত। তাই পরীক্ষা করে দেখছি কথাটা সত্য কিনা।'' এই ছাত্রটি যা করছিলেন ন্যায়শাস্ত্রে তার নাম কাকান্তগবেষণ, অর্থাৎ কাগের কটা দাঁত আছে তাই খোঁজ করা। পরে ইনি এক সরকারি কলেজের রসায়ন-অধ্যাপক হয়েছিলেন।

যেমন সন্দেশ রসগোল্লায়, তেমনি কেশতৈলে পারা বা সিসে থাকবার কিছুমাত্র কারণ নেই। বিজ্ঞাপনের উদ্দেশ্য, ভয় দেখিয়ে খদ্দের জোগাড় করা। অজ্ঞ লোকে ভাববে, কী সর্বনাশ, তবে তো অন্য তেলে এইসব থাকে! দরকার কী, এই গ্যারান্টি দেওয়া নিরাপদ তেলটিই মাখা যাবে।

121. জিনিষ কেনার সময় কোন্ বিষয়টি ক্রেতার সিদ্ধান্তকে সবচেয়ে বেশি প্রভাবিত করে?

(1) সেই সম্পর্কে দেখা বা শোনা বিজ্ঞাপন

(2) পরিমাণে বেশি থাকলে

(3) মুদ্রিত মূল্য

(4) জিনিষের মান

122. বিজ্ঞাপন অশিক্ষিত জনসাধারণের মনে বিশ্বাস জাগিয়ে তুলতে সক্ষম হয়। কারণ

(1) সেটি এখন একটি চারুকলা হয়ে উঠেছে

(2) কখনো কখনো গানের মাধ্যমে প্রচার করা হয়

(3) সুন্দরী মেয়েরা সেটির প্রচার করে

(4) তারা মনে করে যা ছাপার অক্ষরে আছে তা মিথ্যা হতে পারে না

123. ষষ্ঠ শ্রেণীর ছাত্রটির 'কেশতৈল' পরীক্ষা করা দেখে বোঝা যায়

(1) বিজ্ঞাপন তাকে সম্পূর্ণভাবে প্রভাবিত করতে পারে নি

(2) তিনি বড় হয়ে রসায়নের অধ্যাপক হবেনই

(3) তার বিচারবুদ্ধি নষ্ট হয়ে গিয়েছিল

(4) গবেষণাগারে অযথা যে-কোন-জিনিষ পরীক্ষা করা তার নেশা ছিল

124. বিজ্ঞাপনের উদ্দেশ্য

(1) কেবলমাত্র অপপ্রচারের মাধ্যমে অন্য কোম্পানীর জিনিষের বিক্রী কম করা

(2) কেবল লোকের মনোরঞ্জন করা

(3) প্রচারের সাহায্যে নিজের কোম্পানীর জিনিষ অধিক পরিমাণে বিক্রী করা

(4) প্রচারের সাহায্যে নিজের কোম্পানীর জিনিষ অধিক পরিমাণে বিক্রি করা এবং অন্য কোম্পানীর সেই একই জিনিষের বিক্রী কম করা

125. "বিজ্ঞাপন এখন একটি চারুকলা হয়ে উঠেছে, সুরচিত হলে নৃত্যপরা অপ্সরার মতন পরম জ্ঞানী লোককেও মুগ্ধ করতে পারে।" উপমা অলঙ্কারের এই দৃষ্টান্তটিতে উপমেয় কোনটি ?

(1) অপ্সরা

(2) জ্ঞানী লোক

(3) বিজ্ঞাপন

(4) চারুকলা

126. নীচে প্রদত্ত শব্দগুলির মধ্যে কোনটি মধ্যপদলোপী কর্মধারয় সমাসের সমাসবদ্ধ পদটির উদাহরণ ?

(1) কেশতৈল

(2) ষষ্ঠ বার্ষিক

(3) বিচারশক্তি

(4) রসায়ন-অধ্যাপক

নির্দেশ : নীচের প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **127** থেকে **141** পর্যন্ত) সর্বাধিক উপযুক্ত উত্তর নির্বাচন করে উত্তর দিন :

127. নীচের পাঠ-পরীক্ষায় আপনি কীভাবে নম্বর দেবেন ?

প্রশ্ন : বাঘ কি বিলুপ্ত প্রাণী ?
উত্তর (ক) : না, কিন্তু বাঘ খুব কম দেখা যায়।
উত্তর (খ) : বাঘ প্রাণীটি প্রায় বিলুপ্তির পথে।

(1) উত্তর (খ)-এর জন্য ½ নম্বর, উত্তর (ক)-এর জন্য 1 নম্বর

(2) উত্তর (ক)-এর জন্য 1 নম্বর, উত্তর (খ)-এর জন্য 1 নম্বর

(3) উত্তর (খ)-এর জন্য 1 নম্বর, উত্তর (ক)-এর জন্য 0 নম্বর

(4) উত্তর (ক)-এর জন্য ½ নম্বর, উত্তর (খ)-এর জন্য 1 নম্বর

128. কোনো পাঠ্য প্রাসঙ্গিক কিনা, সে সম্পর্কে ছাত্র-ছাত্রীর একটা সাধারণ ধারণা পাওয়ার জন্য যে পাঠ, তাকে বলা হবে

(1) পূর্বানুমান (predicting)

(2) সংক্ষেপায়ন (summarizing)

(3) বিশ্লেষণমুখী পাঠ (scanning)

(4) অগভীর পাঠ (skimming)

129. শিক্ষার্থীরা 'Great Sentence Mystery' নামে একটি নাট্যাংশ রচনা করেছে। সেখানে চারটি চরিত্র আছে এবং দশটি লাইনে বর্ণিত। প্রতিটি চরিত্র একটি করে নির্দিষ্ট শ্রেণীর বাক্যে কথা বলবে। এই ধরনের কার্য নীচের কোন্ অনুশীলনটিকে অপেক্ষাকৃত বেশি সাহায্য করবে?

(1) পাঠ-পরবর্তী অনুশীলন

(2) লিখন-পূর্ববর্তী কার্য

(3) ব্যাকরণ প্রয়োগ

(4) শব্দভাণ্ডার ব্যবহার

130. তৃতীয় শ্রেণীর শিক্ষার্থীদের মধ্যে সৃজনমূলক রচনার আগ্রহ জাগানোর জন্য নীচের কোন্ পদক্ষেপটি গ্রহণ করা সর্বাধিক উপযুক্ত হবে?

(1) একগুচ্ছ ছবি ব্যবহার করা এবং কিছু আলোচনা করা

(2) শিশুরা যে-যেমন লিখছে লিখতে দেওয়া

(3) প্রদত্ত বিষয়ের উপর পুঙ্খানুপুঙ্খ আলোচনা করা

(4) বোর্ডে সেই বিষয়টির একটি রেখাচিত্র অঙ্কন করা

131. আপনার ক্লাসে অনেক শিক্ষার্থী ইংরেজিতে কথা বলতে লজ্জা পায়। তাদের দ্বিধা বা লজ্জা কাটানোর জন্য আপনি কী করতে পারেন?

(1) ক্লাসে অতি সরল বিষয়ের উপর তাৎক্ষণিক বক্তৃতা (impromptu) দেওয়াতে পারেন

(2) অন্যান্য শিক্ষার্থীদের বলা শেষ হবার পর দ্বিধাগ্রস্ত সেই সব শিক্ষার্থীদের বলতে দিতে পারেন

(3) সেই ভাষায় ব্যক্তিগত প্রশিক্ষণ দিতে পারেন

(4) তাদের দিয়েই কোনো নাটিকা রচনা করিয়ে তাদের জোড়ায় জোড়ায় বা ছোটো দলে বিভক্ত করে অভিনয় করাতে পারেন

132. শ্রবণ-দক্ষতা বিবর্ধনের উদ্দেশ্যে শিক্ষক একটি কার্যক্রম তৈরি করেছেন। এতে শিক্ষার্থীরা রেলওয়ে স্টেশনের একটি ঘোষণা শুনছে। সেই ঘোষণায় ট্রেনের আগমন ও প্রস্থানের সময় উচ্চারিত হচ্ছে। শিক্ষার্থীরা সেই ঘোষণা শুনে একটি সারণীতে লিপিবদ্ধ করছে। এখানে শিক্ষার্থীরা

(1) শ্রুতি-রেকর্ডের উপর ভিত্তি করে একটি সম্পূর্ণ সময়সারণী প্রস্তুত করছে

(2) শিক্ষার্থী কোনো ঘোষণার সরব পাঠ করছে

(3) সারণীবদ্ধ তথ্যগুলিকে ব্যাখ্যা করছে

(4) একটি তথ্যচিত্র দেখার কাজ করছে

133. বয়ঃসন্ধির পরে কোনো বিদেশি ভাষা শিখলে সেই ভাষায়

(1) স্বাভাবিক পথেই ভাষা আয়ত্ত হয়

(2) ভাষা আয়ত্ত করতে অসুবিধা হয়

(3) পাণ্ডিত্য অর্জন করা যায় না

(4) বেশি পাণ্ডিত্য অর্জিত হয়

134. 'ই-লার্নিং' হচ্ছে

(1) দূরাগত শিক্ষা (distance education)

(2) তথ্যচিত্রাদি (documentaries)

(3) প্রযুক্তি-সংমিশ্রিত শিক্ষণ

(4) প্রত্যক্ষত হার্ডওয়্যার-সংযুক্ত শিক্ষণ

135. একটি দ্বি-ভাষিক (bilingual) ক্লাসে শিক্ষার্থীদের লক্ষ্য-ভাষার (target language) পুঁথিগত এবং কথ্য রূপের পার্থক্য বোঝাতে হলে তাদের প্ররোচিত করতে হবে

(1) লক্ষ্য-ভাষায় লিখিত আরো বেশি বই পড়তে

(2) আরো বেশি ইংরাজী লিখতে

(3) আরো বেশি প্রাসংগিক দ্বি-ভাষিক চলচ্চিত্র দেখতে

(4) লক্ষ্য-ভাষায় কথাবার্তা বলতে

136. ভাষা আয়ত্তীকরণে সহপাঠীদের থেকে পিছিয়ে পড়া শিক্ষার্থীদের সাহায্য করার জন্য বিন্যস্ত শিক্ষাপ্রণালীকে বলা হয়

(1) সংক্ষেপীকরণ (summarization)

(2) পুনর্গঠনাত্মক (re-formulation)

(3) সংশোধনাত্মক (remediation)

(4) পুনরাবলোকন (revision)

137. ভাষা শিক্ষার কোনো ক্লাসে সক্ষমতার বিভিন্ন মানসম্পন্ন শিক্ষার্থী থাকলে কেমন পাঠক্রমের প্রয়োজন হবে ?

(1) যেখানে কিছু কিছু পিরিয়ডে সমজাতীয় শিক্ষার্থীদের নিয়ে গড়া দলকে পাঠদান করা হবে

(2) যেখানে শিক্ষার্থীরা তাদের শেখার ভিন্ন ভিন্ন অভিজ্ঞতা নিয়ে পারস্পরিক আলাপ-আলোচনা করার সুযোগ পাবে

(3) গণিত ও ভাষার উপর প্রবল গুরুত্ব-ভিত্তিক

(4) খেলাধুলো ও ভাষামুখী

138. ভ্রান্ত ধারণাটি শনাক্ত করুন :

ছাত্রছাত্রীদের জন্য নির্বাচিত বাংলা পাঠ্যপুস্তকটিতে থাকা উচিত

(1) শিক্ষাদান প্রক্রিয়াগুলির প্রস্তাবিত ক্রম

(2) তথ্যসমূহের সংগতিপূর্ণ উপস্থাপনা

(3) শিক্ষণ-অভিজ্ঞতার সুসংবদ্ধ এককসমূহ (units)

(4) শিক্ষকদের জন্য বিস্তারিত পাঠ-পরিকল্পনা (lesson plans)

139. ভাষা শেখার সময় শিক্ষার্থীদের হামেশাই কিছু নির্দিষ্ট ধরনের ব্যাকরণগত ভুলভ্রান্তি হয়। শিক্ষক যা করবেন সেটি হল

(1) যে কোনো শিক্ষার্থী যে কোনো ভুল করলেই শিক্ষক সঙ্গে সঙ্গে তা শুধরে দেবেন। এতে দুর্বল শিক্ষার্থীরা অন্যদের ভুল থেকেও শিখতে পারবে

(2) যতক্ষণ না শিক্ষার্থীর পড়া বা বলা শেষ হচ্ছে—শিক্ষক ততক্ষণ পর্যন্ত অপেক্ষা করবেন। তারপর শেষে সবচেয়ে সাধারণ ভ্রান্তিগুলিকে (most common errors) সংশোধন করার উদ্যোগ নেবেন

(3) যেহেতু সেই ধরনের ভুল হওয়া স্বাভাবিক, তাই শিক্ষক সেই ভুলগুলি চলতে দেবেন

(4) শিক্ষক 'দুর্বল' শিক্ষার্থীদের শনাক্ত করবেন এবং তাদের জন্য একটি অতিরিক্ত বিশেষ ক্লাসের ব্যবস্থা করবেন

140. অনাগ্রহী, অধ্যয়নবিমুখ শিক্ষার্থী-ভরা ক্লাসে কোনো বিদেশি বা অমাতৃভাষা শেখাতে গিয়ে একজন শিক্ষককে প্রায়ই সমস্যায় পড়তে হয়। এই সমস্যার সুরাহা হতে পারে

(1) কোনো শিক্ষা-উপদেষ্টাকে (academic counsellor) সেই ক্লাসে পাঠিয়ে পরামর্শ দান করিয়ে

(2) অনাগ্রহী শিক্ষার্থীদের শনাক্ত করে তাদের জন্য বিশেষ ক্লাসের ব্যবস্থা করে

(3) যত খুশি সময় নিয়ে প্রদত্ত কাজ (assignment) সম্পন্ন করায় উৎসাহিত করলে

(4) অনুপ্রাণিত (motivate) করার পদ্ধতি ও নীতি ব্যবহার করে এবং ক্লাসে শিক্ষাগ্রহণের কাজটিকে অধিকতর উত্তেজক করে তুলে

141. ভাষা শিক্ষার্থীরা করতে করতেই শেখে।
নীচের কোন্ কাজটির দ্বারা এই মতটি সমর্থিত হচ্ছে?

(1) উদ্দিষ্ট ভাষাটিকে আরো ভালো করে বোঝার স্বার্থে মাতৃভাষার ব্যবহারকে প্রোৎসাহিত করতে হবে

(2) মূর্ত (concrete) থেকে বিমূর্ত (abstract) পাঠ্যের দিকে অগ্রসর হতে হবে

(3) শিক্ষক লিখন ও কথনের একটি আদর্শ রূপ পেশ করবেন এবং শিক্ষার্থীরা তা অনুকরণ করবে

(4) অনুশীলনের প্রভূত সুযোগ থাকা দরকার; কারণ অনুশীলনের মাধ্যমেই অভ্যাস গঠিত হয়

নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **142** থেকে **150**) উত্তর দিন :

প্রতিহিংসা

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

মুকুন্দবাবুদের ভূতপূর্ব দেওয়ানের পৌত্রী, বর্তমান ম্যানেজারের স্ত্রী ইন্দ্রাণী অশুভক্ষণে বাবুদের বাড়িতে তাঁহাদের দৌহিত্রের বিবাহে বউভাতের নিমন্ত্রণে উপস্থিত ছিলেন।

তৎপূর্বকার ইতিহাস সংক্ষেপে বলিয়া রাখিলে কথাটা পরিষ্কার হইবে।

এক্ষণে মুকুন্দবাবুও ভূতপূর্ব, তাঁহার দেওয়ান গৌরীকান্তও ভূতপূর্ব; কালের আহ্বান অনুসারে উভয়ের কেহই স্বস্থানে সশরীরে বর্তমান নাই। কিন্তু যখন ছিলেন তখন উভয়ের মধ্যে বন্ধন অত্যন্ত দৃঢ় ছিল। পিতৃমাতৃহীন গৌরীকান্তের যখন কোনো জীবনোপায় ছিল না, তখন মুকুন্দলাল কেবলমাত্র মুখ দেখিয়া তাঁহাকে বিশ্বাস করিয়া তাঁহার উপরে নিজের ক্ষুদ্র বিষয়সম্পত্তি পর্যবেক্ষণের ভার দেন। কালে প্রমাণ হইল যে, মুকুন্দলাল ভুল করেন নাই। কীট যেমন করিয়া বল্মীক রচনা করে, স্বর্গকামী যেমন করিয়া পুণ্য সঞ্চয় করে, গৌরীকান্ত তেমনি করিয়া অশ্রান্ত যত্নে তিলে তিলে দিনে দিনে মুকুন্দলালের বিষয় বৃদ্ধি করিতে লাগিলেন। অবশেষে যখন তিনি কৌশলে আশ্চর্য সুলভ মূল্যে তরফ বাঁকাগাড়ি ক্রয় করিয়া মুকুন্দলালের সম্পত্তিভুক্ত করিলেন, তখন হইতে মুকুন্দবাবুরা গণ্যমান্য জমিদার-শ্রেণীতে প্রতিষ্ঠিত হইলেন। প্রভুর উন্নতির সঙ্গে সঙ্গে ভৃত্যেরও উন্নতি হইল; অল্পে অল্পে তাঁহার কোঠাবাড়ি জোতজমা এবং পূজার্চনা বিস্তার লাভ করিল। এবং যিনি এক কালে সামান্য তহশিলদার-শ্রেণীর ছিলেন, তিনিও সাধারণের নিকট দেওয়ানজি নামে পরিচিত হইলেন।

ইহাই ভূতপূর্ব কালের ইতিহাস। বর্তমান কালে মুকুন্দবাবুর একটি পোষ্যপুত্র আছেন, তাঁহার নাম বিনোদবিহারী। এবং গৌরীকান্তের সুশিক্ষিত নাতজামাই অম্বিকাচরণ তাঁহাদের ম্যানেজারের কাজ করিয়া থাকেন। দেওয়ানজি তাঁহার পুত্র রামকান্তকে বিশ্বাস করিতেন না—সেইজন্য বার্ধক্যবশত

নিজে যখন কাজ ছাড়িয়া দিলেন তখন পুত্রকে লঙ্ঘন করিয়া নাতজামাই অম্বিকাকে আপন কার্যে নিযুক্ত করিয়া দিলেন।

কাজকর্ম বেশ চলিতেছে; পূর্বের আমলে যেমন ছিল এখনো সকলই প্রায় তেমনি আছে, কেবল একটা বিষয়ে একটু প্রভেদ ঘটিয়াছে—এখন প্রভু-ভৃত্যের সম্পর্ক কেবল কাজকর্মের সম্পর্ক, হৃদয়ের সম্পর্ক নহে। পূর্বকালে টাকা সস্তা ছিল এবং হৃদয়টাও কিছু সুলভ ছিল, এখন সর্বসম্মতিক্রমে হৃদয়ের বাজে খরচটা একপ্রকার রহিত হইয়াছে; নিতান্ত আত্মীয়ের ভাগেই টানাটানি পড়িয়াছে, তা বাহিরের লোকে পাইবে কোথা হইতে।

ইতিমধ্যে বাবুদের বাড়িতে দৌহিত্রের বিবাহে বউভাতের নিমন্ত্রণে দেওয়ানজির পৌত্রী ইন্দ্রাণী গিয়া উপস্থিত হইল।

সংসারটা কৌতূহলী অদৃষ্টপুরুষের রাসায়নিক পরীক্ষাশালা। এখানে কতকগুলা বিচিত্রচরিত্র মানুষ একত্র করিয়া তাহাদের সংযোগ-বিয়োগে নিয়ত কত চিত্রবিচিত্র অভূতপূর্ব ইতিহাস সৃজিত হইতেছে, তাহার আর সংখ্যা নাই।

এই বউভাতের নিমন্ত্রণস্থলে, এই আনন্দকার্যের মধ্যে দুটি দুই রকমের মানুষের দেখা হইল, এবং দেখিতে-দেখিতে সংসারের অশ্রান্ত জালবুনানির মধ্যে একটা নূতন বর্ণের সূত্র উঠিয়া পড়িল এবং একটা নূতন রকমের গ্রন্থি পড়িয়া গেল।

সকলের আহারাদি শেষ হইয়া গেলে ইন্দ্রাণী বৈকালের দিকে কিছু বিলম্বে মনিববাড়িতে গিয়া উপস্থিত হইয়াছিল। বিনোদের স্ত্রী নয়নতারা যখন বিলম্বের কারণ জিজ্ঞাসা করিল, ইন্দ্রাণী গৃহকর্মের ব্যস্ততা, শারীরিক অস্বাস্থ্য প্রভৃতি দুই-চারিটা কারণ প্রদর্শন করিল, কিন্তু তাহা কাহারও সন্তোষজনক বোধ হইল না।

প্রকৃত কারণ যদিও ইন্দ্রাণী গোপন করিল তথাপি তাহা বুঝিতে কাহারও বাকি রহিল না। সে কারণটি এই—মুকুন্দবাবুরা প্রভু, ধনী বটেন, কিন্তু কুলমর্যাদায় গৌরীকান্ত তাঁহাদের অপেক্ষা অনেক শ্রেষ্ঠ। ইন্দ্রাণী সে শ্রেষ্ঠতা ভুলিতে পারে না। সেইজন্য মনিবের বাড়ি পাছে খাইতে হয় এই ভয়ে সে যথেষ্ট বিলম্ব করিয়া গিয়াছিল। তাহার অভিসন্ধি বুঝিয়া তাহাকে খাওয়াইবার জন্য বিশেষ পীড়াপীড়ি করা হইয়াছিল, কিন্তু ইন্দ্রাণী পরাস্ত হইবার মেয়ে নহে, তাহাকে কিছুতেই খাওয়ানো গেল না।

142. বর্তমান ম্যানেজারের স্ত্রী ইন্দ্রাণী বাবুদের বাড়িতে কার বিয়ের নিমন্ত্রণে উপস্থিত ছিলেন?

(1) তাদের কন্যার পুত্রের

(2) তাদের ভাইয়ের পুত্রের

(3) তাদের কন্যার

(4) তাদের কন্যার কন্যার

143. ইন্দ্রাণীর স্বামীর নাম ছিল

(1) রমাকান্ত

(2) অম্বিকাচরণ

(3) গৌরীকান্ত

(4) বিনোদবিহারী

144. এখানে সংসারকে লেখক কীসের সাথে তুলনা করেছেন?

(1) রাসায়নিক পরীক্ষাশালা.

(2) অভূতপূর্ব ইতিহাস

(3) অদৃষ্টপুরুষ

(4) বিচিত্র চরিত্রের মানুষ

145. নিমন্ত্রণ বাড়িতে ইন্দ্রাণীর বিলম্বে পৌঁছানোর কারণ কী?

(1) তাকে বাবুদের বাড়ি থেকে নিমন্ত্রণে আসার জন্য গাড়ি পাঠানো হয়নি

(2) কুলমর্যাদার দরুণ মনিবের বাড়িতে তার খাওয়ার ইচ্ছে ছিল না

(3) ইন্দ্রাণীর শরীর ভাল ছিল না

(4) নয়নতারার সঙ্গে তার সম্পর্ক ভাল ছিল না

146. কী কারণে গৌরীকান্ত অম্বিকাচরণকে দেওয়ান পদে নিযুক্ত করেছিলেন ?

(1) তিনি পুত্র রামকান্তকে বিশ্বাস করতেন না

(2) রামকান্ত বাজে খরচে সমস্ত অর্থ উড়িয়ে দিত

(3) রামকান্তের সঙ্গে তাঁর সম্পর্ক ভাল ছিল না

(4) রামকান্তের সঙ্গে বাবুদের সম্পর্ক ভাল ছিল না

147. "কীট যেমন করিয়া বল্মীক রচনা করে, স্বর্গকামী যেমন করিয়া পুণ্য সঞ্চয় করে, গৌরীকান্ত তেমনি করিয়া অশ্রান্ত যত্নে তিলে তিলে দিনে দিনে মুকুন্দলালের বিষয় বৃদ্ধি করিতে লাগিলেন।" বাক্যটিতে গৌরীকান্তকে কীসের কীসের সাথে তুলনা করা হয়েছে ?

(1) বল্মীক ও স্বর্গকামী

(2) স্বর্গকামী ও পুণ্যসঞ্চয়

(3) কীট ও স্বর্গকামী

(4) কীট ও বল্মীক

148. অদৃষ্টপুরুষের রাসায়নিক পরীক্ষাশালায় কী সৃষ্টি হয় ?

(1) নূতন মানুষ

(2) হৃদয়ের সম্পর্ক

(3) রাসায়নিক পদার্থ

(4) চিত্রবিচিত্র অভূতপূর্ব ইতিহাস

149. 'পর্যবেক্ষণ' সন্ধিবিচ্ছেদ করলে হবে

(1) পরি + বেক্ষণ

(2) পর্য + এক্ষণ

(3) পর্য + বেক্ষণ

(4) পরি + ঈক্ষণ

150. নীচে অনুচ্ছেদটি থেকে কয়েকটি বাক্য তুলে দেওয়া হল, এর মধ্যে কোনটি জটিল বাক্যের দৃষ্টান্ত ?

(1) পূর্বের আমলে যেমন ছিল এখনো সকলই প্রায় তেমনি আছে

(2) এখন সর্বসম্মতিক্রমে হৃদয়ের বাজে খরচটা এক প্রকার রহিত হইয়াছে

(3) পূর্বকালে টাকা সস্তা ছিল এবং হৃদয়টাও কিছু সুলভ ছিল

(4) এখন প্রভু-ভৃত্যের সম্পর্ক কেবল কাজকর্মের সম্পর্ক, হৃদয়ের সম্পর্ক নহে

SPACE FOR ROUGH WORK

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর-পত্রে **কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল/কালো বলপয়েন্ট পেন** দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিতকরণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।

2. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর-পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।

3. পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।

4. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা-পুস্তিকা/উত্তর-পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা-পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।

5. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ-পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিন উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।

6. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তাঁর প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।

7. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তাঁর আসন ছেড়ে উঠবেন না।

8. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর-পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা-পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর-পত্র জমা করেন নি এবং ব্যাপারটিকে দণ্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে।

9. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যালকুলেটরের ব্যবহার নিষিদ্ধ।

10. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে।

11. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা-পুস্তিকা ও উত্তর-পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।

12. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর-পত্রটি অবশ্যই নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা-পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই। পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।**

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ballpoint Pen on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
6. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet, a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉलपॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
4. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।
9. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
10. परीक्षा हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***